

हरियाणा में लगानुपात में गरिावट

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के 22 में से 9 ज़िलों में [जनम के समय लगानुपात \(SRB\)](#) में गरिावट दर्ज की गई है। हालाँकि राज्य का समग्र [जनम के समय लगानुपात 916](#) पर स्थिर रहा (राष्ट्रीय SRB 933 है)।

- दूसरी ओर, गुड़गाँव में वर्ष 2022 में 925 से बढ़कर वर्ष 2023 में 928 हो गया है।

मुख्य बडि:

- उत्तरी और मध्य ज़िलों जैसे कि **सरिसा, फतेहाबाद, सोनीपत, यमुनानगर, हिसार, भविानी, रोहतक, जदि और चरखी दादरी** में जनम लेने वाली लड़कियों की संख्या में गरिावट देखी गई।
- वर्ष 2011 की जनगणना के बाद से हरियाणा में लड़के और लड़कियों के बीच का अंतर चतिा का कारण रहा है। राज्य [जनम के समय लगानुपात 834](#) है जो देश में सबसे कम है, जिसके कारण राज्य ने [कन्या भरण हतया](#) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।
 - वर्ष 2015 में सामाजिक परिवर्तन लाने के लिये केंद्र सरकार के सहयोग से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया गया था।
 - वर्ष 2015 में [जनम के समय राज्य का लगानुपात 876 से बढ़कर वर्ष 2016 में 900](#) हो गया, इसके बाद वर्ष 2017 में 914 हो गया था।
 - वर्ष 2018 में यह वही रहा लेकिन 2019 में सुधरकर 923 हो गया।
 - उसके बाद, वर्ष 2020 में 922 से वर्ष 2021 में फरि से 914 तक गरिावट देखी गई।
 - वर्ष 2022 में 916 पर थोड़ा सुधार दिखा, जो वर्ष 2023 में भी उसी अंक पर बना रहा।
- अधिकारियों के अनुसार [गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व नदिान तकनीक \(PC-PNDT\) अधनियम, 1994](#) के तहत कुल 17 मामले दर्ज किये गए थे।
 - पछिले पाँच वर्षों में राज्य में लिये परीक्षण करने वाले क्लीनिकों पर [लगभग 2,387 छापे मारे गए](#)। इनमें से [487 छापे](#) दूसरे राज्यों में थे।
 - पूरे हरियाणा में [लिये नरिधारण और मेडिकल टर्मनिशन ऑफ प्रेगनेंसी कटि](#) के इस्तेमाल के लिये कुल [1,376 प्रथम सूचना रिपोर्ट \(FIR\)](#) भी दर्ज की गई।
- सरकार को PCPNDT एक्ट को और मज़बूत करने की ज़रूरत है, साथ ही अवैध गर्भपात के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करनी चाहिये।
- जागरूकता अभियान चलाना ज़रूरी है। ऐसे [कार्यक्रमों का संचालन करना एवं नयिमति अंतराल पर हुई प्रगति की नगिरानी करना महत्त्वपूर्ण](#) है।

STATE'S SRB STILL BELOW NAT'L AVERAGE

- > Sex ratio at birth (SRB) is the **number of girls born per 1,000 boys**
- > Haryana's SRB had been a cause for concern **since 2011**, when the Census showed that the state's SRB of **834** was the **lowest** in the country
- > But the numbers have seen an improvement **since 2015**



HOW HARYANA DISTRICTS PERFORMED LAST YEAR

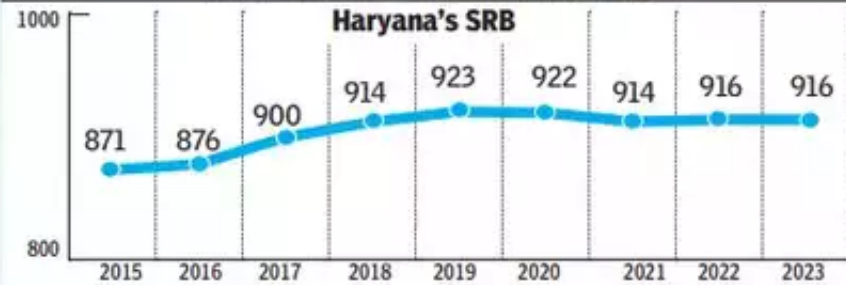
Top 5

District	SRB
Palwal	946
Panchkula	942
Fatehabad	934
Nuh	932
Gurgaon	928

Bottom 5

Rohtak	883
Mahendergarh	887
Sonipat	894
Charkhi Dadri	897
Rewari	897

How State Has Fared Over The Years



City Sees Rise From Prev Year

